Ref-No. GGVS-2021/21/114

बीजोपचार करने की विधि

गोयल ग्रामीण विकास संस्थान

श्रीरामशान्ताय

जैविक कृषि अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केन्द्र

राजस्थान जैविक प्रमाणीकरण संस्थान जयपुर द्वारा प्रमाणित

ग्राम जाखोड़ा, कैथून-सांगोद मार्ग, कोटा - 325001 (राजस्थान)

88759 95439 ggvs@goyalglobal.com www.ggvsglobal.com

1. बीजामृत से

सामग्री

• देशी गाय का ताजा गोबर	:	5 किलों
• गोमूत्र	:	5 लीटर
• पानी	:	20 लीटर
• खेत की मेड़ की मिट्टी	:	200 ग्राम
• चूना	:	50 ग्राम

विधि – उपरोक्त सभी को मिलाकर मटके में 2 दिन तक रखते है तत्पश्चात् छानकर बुवाई के दिन बीजों का उपचार करें।
उपयोग – बीजों को रोग रहित बनाने एवं उनकी अंकुरण क्षमता बढ़ाने हेतु।

2. गोमूत्र से – दलहनी फसलों के अलावा सभी बीजो को 10 प्रतिशत गोमूत्र में 10 मिनट डुबोकर बुवाई करें।

3. पंचगव्य से – 3 प्रतिशत (10 लीटर पानी में 300 एमएल. पंचगव्य) घोल में बीज या पौधों, कन्द आदि को 50 मिनिट डुबाकर उपचारित करें।

4. जैव उर्वरक से – फसल विशेष के जीवाणु जैसे– दलहनी फसल हेतु राइजोबियम, अदलहनी हेतु एजोटो बेक्टर एजोस्पीरिलियम आदि 10 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें।

पोषक जीवाणु रोगनियन्त्रण सूक्ष्म जीवों से फसल विशेष में लगने कीट व रोगों के नियन्त्रण हेतु ये जैव उत्पाद बीजोपचार हेतु प्रभावी होते है। जैसे ट्राइकोडर्मा, स्यूडोमोनास आदि।

5. जैर खाद से – गो माता के ब्याहते समय एक थैली जैसी रचना बाहर आती है, बछड़ा/बछड़ी इसी थैली में रहता है। इस थैली में तरल द्रव्य होता है, अमूल्य है। इसको सुरक्षित करें। राख डालकर सुखा लें। 10 ग्राम पाउडर प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचार करें।